लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3480

15 दिसम्बर, 2014 को उत्तर के लिए

इस्पात की खपत

3480. श्रीमती मीनाक्षी लेखी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत कुछ वर्षों के दौरान इस्पात की खपत के सिलसिले में ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में वर्ष 2013-14 में इस्पात की खपत में गिरावट आयी है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा देश में इस्पात की घरेलू आपूर्ति की अधिकता के सापेक्ष इसकी खपत/मांग बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री **श्री विष्णु देव साय**

(क) : विगत तीन वर्षों के दौरान कुल फिनिश्ड स्टील की वास्तविक खपत के आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं:

कुल फिनिश्ड इस्पात की वास्तविक खपत	
वर्ष	मात्रा (मिलियन टन या एमटी)
2011-12	71.02
2012-13	73.48
2013-14	74.09
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति (जेपीसी)	

(ख) : वर्ष 2012-13 की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान स्टील खपत की मात्रा में कमी नहीं हुई है।

(ग): इंस्टीट्यूट फोर स्टील डेवलपमेंट एण्ड ग्रोथ (एनएसडीएजी) जो कि इस्पात मंत्रालय के साथ- साथ मुख्य इस्पात उत्पादकों द्वारा प्रोत्साहित एक संगठन है, निर्माण और संबद्ध क्षेत्रों में इस्पात के कुशल उपयोग की दिशा में कार्य कर रहा है। आईएनएसडीएजी ने इस्पात की खपत में बढ़ोत्तरी और इस्पात उपयोग के लाभों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए अनेक गतिविधियां/पहल शुरू की है। आईएनएसडीएजी देश में इस्पात की खपत में सुधार के लिए निम्नलिखित कदम उठा रहा है:-

1. इस्पात उपयोग के लाभों पर राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षणों और निर्माण में उत्कृष्ट प्रणालियों को प्रोत्साहन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में इस्पात अभियान आयोजित करना।
2. इस्पात के उपयोग वाले मॉडल ग्रामीण भवनों, कल्वट्र्स, पंचायत हॉल, सामुदायिक शौचालयों आदि की डिजाईन विकसित करना और उन्हें प्रोत्साहित करना।
3. इस्पात के निर्माण में उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशिक्षण संचालित करना।
4. सलाहकारी सेवाएं और सामग्री तथा निर्माण प्रणालियॉं उपलब्ध करना।
5. आवश्यकता आधारित तकनीकी मैन्यूअल्स, इस्पात आधारित निर्माण संबंधी मार्ग दर्शक पुस्तकें और रिपोर्ट प्रकाशित करना।

****